Baptism

बपतिस्मा

पवित्र बपतिस्मा की संस्कार

"इसलिए जाओ और सब जातियों के लोगों को चेले बनाओ तथा उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो, और जो जो आज्ञाएं मैंने तुम्हें दी हैं उनका बालन करना सिखाओ। और देखो, मैं युग के अन्त तक सदैव तुम्हारे साथ हूँ।"

– मत्ती 28 : 19-20

सब के सब पापी है इसलिए सब को विश्वास करना आवश्यक है। लम्बा समय से मसीह-विरोधी अपनी जाल और चाल में लोगों का फसाते आया है। पोप का अनुसाशन पवित्र वचन के बदले अपनी मानवीय शिक्षाओं का स्थापन करता है। परन्तु परमेश्वर लोगों को सुधारकों को के रूप में खड़ा किया है कि वे फिर से परमेश्वर का वचन को समाज में लेकर आए, यह पवित्र जन पवित्र बाइबल का आदर के साथ अध्ययन किया और परमेश्वर ने उन पर वचन का सत्य भेद और प्रकाश को प्रकट किया। पोप अनुशासन यह शिक्षा देता है कि कलिसिया में सात सुधारकों है। प्रटेसटान्ट लोग यह सात से सात सुधारकों का अस्विकार करते है। वे पवित्र वचन को ध्यान नहीं देते है। लुथरन सुधारकों ने ध्यान से वचन का अध्ययन किया और पता लगाया कि वचन के अनुसार दो संस्कारों है। मसीह को केन्द्रीत करता ये दोनों पवित्र संस्कारों। यहाँ परमेश्वर का वचन और सांसारीक उपकरणों का उपयोग किया गया है। वह पापों से क्षमा प्रदम करता है। पानी का बपतिस्मा उन दो पवित्र संस्कारों में से एक है।

बपतिस्मा क्या काम करता है?

मत्ती 28 अध्याय में हमारे प्रभु यीशु मसीह का प्रधान आज्ञा यु कहता है, "सारे जातियों में चला बनाओ यहाँ वह मुख्य दो कमों को करने के लिए कहता है, वे है (i) बपतिस्मा देने को और (ii) शिक्षा देने को, इन दो कार्य के द्वारा हम चेले बना सकते है।

हम विश्वास के साथ प्राचीन कलिसीया के जैसा इस काम को करते है।

बड़े लोगों को हम पहले शिक्षा देते है और बाद में बपतिस्मा देते है परन्तु शीशुओं को पहले बपतिस्मा देते है और बाद में शिक्षा देते है। सचमुच परमेश्वर का सामर्थी वचन ही चला बनाता है। जब हम किसि शीशु को बपतिस्मा देते है तो पवित्र आत्मा त्रीएक परमेश्वर का नाम से अर्थात् पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा की नाम से उसका दिल में विश्वास उत्पन्न करता है। बपतिस्मा के द्वारा वह स्वर्ग राज्य का अधिकारी बन जाता है अर्थात् परमेश्वर का परिवार का सदस्य। बड़े लोगों हम पहले शिक्षा देते है और बाद में बपतिस्मा देते है। परमेश्वर का सामर्थी वचन शिशु तथा बड़ो का दिल में विश्वास का उत्पन्न करता है। जब एक उमरवाला व्यक्ति प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास का स्पिकार करता है तब हम उसे बपतिस्मा देते है। वह पवित्र काम उसका विश्वास को दृढ़ करता है। प्रभु भोज़ में भी इस विश्वास उसि प्रकार काम करता है जैसे सुसमाचार में है बड़ों को पहले शिखाते हैं फिर बात में बपतिस्मा देते हैं, कारण वे भाषा को समझ सकते है। परंतु शिशुओं को पहले बपतिश्मा देते है उसके बाद शिखाते है, जब वे समझ ने का लायक बन जाते है। तब वे आपनी मुह से स्पिकार करते है। मसीही माँ, बाप अपने अपनी संतानों को विश्वास के साथ बपतिस्मा दिलवाने लाते है। वे विश्वास करते है कि परमेश्वर का वचन शिशुओं का दिलों में विश्वास का उत्पन्न कर सकता है। हो सकता है कि एक शिशु बड़ा होने के बाद बपतिस्मा का अस्पिकार कर सकता है परन्तु पिता माता का यह फर्ज बनता है कि वे अपने बच्चों को बपतिस्मा के लिए लाये। शिर्फ उतना ही नहीं वे अपनी बच्चों को परमेश्वर का मय में लालन पालन करें इकिसियों 6 : 4.

बपतिस्मा किस किस के लिए है? अर्थात् कौन कौन बपतिस्मा ले सकते है।

हमारे शिक्षा आदि कलिसीया के प्रेरितों के शिक्षा के साथ समान है। हम हमारे प्रभु यीशु मसीह का प्रधान आज्ञा जो मत्ती 28 अध्यायमें पढते है कि सब जाति के लोगों को बपतिस्मा देना है। इस वचन के अनुसार सबलोग बपतिस्मा में

सामिल होते है। सब लोग में बच्चे भी सामिल है। बाइबल में कोई भी ऐसा वचन नहीं जहों शिशुओं का बपतिसमा मना किया गया है। पतरस कहता है कि बपतिस्मा का प्रतीज्ञा तुम्हारे लिए और तुम्हारे बच्चों के लिए है। पेन्तिकष्ट का दिन में तीन हजार लोगों ने बपतिस्मा लिए। उसमें शिशु भी जरूर सामिल हुए होंगे।

हमारे प्रभु यीशु मसीह ने कहा, "शिशुओं को मेरे पाश आने दो; मना मत्त करना। मत्ती 19 : 14, वह यह भी कहते है कि स्वर्ग का राज इस प्रकार कि लोगों के लिए है। हम यह विश्वास करते है कि सब जातियों में बच्चे भी सामिल है। वे भी पापी है इस लिए उनका भी नया जन्म का आवश्यक है और वे भी परमेश्वर का सामर्थ से विश्वास सकते है। **"देख, मैं अधर्म के साथ उत्पन्न हुआ, और पाप के साथ अपनी माता के गर्भ में पड़ा।"** – भजन संहिता 51 : 5 इस वचन से यह स्पस्ट होता है कि छोटे बच्चों का भी उधार का आवश्यक है। वे कैसे उद्धार जा सकते है? बपतिस्मा के द्वारा हम प्रेरितों के काम 16 : 33 में पढ़ते है कि पौलुस जेल की रक्षक को उसके परिवार के साथ बपतिस्मा दिया और लिडिया उसके पटि के साथ। प्रेरितों के काम 16 : 15, बपतिस्मा में बच्चें भी सामिल है।

बपतिस्मा की सामर्थ काहाँ से है?

हम काटेटिजम में शिक्षा देते है कि कैसे पानी इतना बड़ा काम कर सकता है? बपतिस्मा में पानी इस बड़ा काम को नहीं कर सकता परन्तु परमेश्वर का वचन जो पानी का अन्दर और साथ में है और विश्वास जो परमेश्वर का वचन के द्वारा पानी के अंदर काम करता है। परमेश्वर का वचन के बिना पानी साधारण पानी है। और बपतिस्मा का असम्भव है। परन्तु परमेश्वर का वचन के साथ यह बपतिस्मा है। अनुग्रहकारी जीवन का जल है और पवित्र आत्मा में नया जन्म का प्रख्यालन या स्नान है। पौलुस तितुस से आग्रह करके लिखता है और बपतिस्मा की सामर्थ के बारे में वर्णन करता है और समझता है। हमारे उद्धार हम किए हुए अछे कामों के कारण नहीं हुआ है परन्तु उसका असीम अनुग्रह के अनुसार वह हमारा उद्धार किया है; जो नया जन्म का स्नान और पवित्र आत्मा

के द्वारा नया बनाया जाना है। तीतुस 3 : 5 कृपया पढ़िये। हमारे प्रभु यीशु मसीह इस्त्रालियों का धर्म गुरु नीकुदेमुस से कहा "मनुष्य आत्मा में और जल से नये शिरे से जन्म लेना बहुत ही ज़रूरि है।" यह ही है उस जन्म जो तीतुस की पत्री में वर्णन किया गया है। पतरस का 1 पतरस 3 : 21 में भी बपतिस्मा के बारे में हम पढ़ सकते है।

बपतिस्मा का सामर्थ परमेश्वर का वचन में से है जो बपतिस्मा के समय उपयोग किया जाता है। और यह बचानेवाला सामर्थ है। यह बाह्य रूप में मनाने वाली एक उत्सव तो है परन्तु अंतरिक रूप से पवित्र आत्मा के द्वारा नया बनाया जाने के लिए दिल का अन्दर का काम है। **"इसलिए हम बपतिस्मा द्वारा उसकी मृत्यु में सहभागी होकर उसके साथ गाड़े गए हैं, जिससे कि पिता की महिमा के द्वारा जैसे मसीह जिलाया गया था, वैसे हम भी जीवन की नई चाल चलें।"** – रोमियों 6 : 4

बपतिस्मा का तरीका क्या है?

अर्थात् किस रिति से बप्तिस्मा लिया जाना और दिया जाना चाहिए?

बपतिस्मा निश्चित रूप से त्रीएक परमेश्वरम का नाम से ही दिया जान चाहिए मत्ती 28 अध्याय में हमारे प्रभु यीशु मसीह का महान आज्ञा के अनुसार। जैसे कुछ लोक शिशू बपतिस्मा का ग्रहण नहीं करते है ऐसे ही बपतिस्मा का तरीका में भी कुछ असमत्त है। यह विवाद इस लिए खड़ा होता है कि लोक परमेश्वर का वचन का अच्छि तरीका से अध्ययन नहीं करते इसलिए वे परमेश्वर का वचन को समझ नहीं पाते, वे मनुष्य का नियम और परंपराओं का विश्वास करते है। हमारे परमेश्वर ने यह नहीं बताया है कि बपतिस्मा में पानी का उपयोग किस प्रकार किया जाए परन्तु उसने यह आज्ञा दि है कि पानी का इस्तेमाल या उपयोग किया जाए। खास करके तिन प्रकार की पानी का उपयोग देखा जा सकता है, वे है :-

(i) पानी का छिड़काया जाना (ii) पानी को बपतिस्मा देनेवाला व्यक्ति का ऊपर डाला जाना और (iii) व्यक्ति को पानी में डुबाया जाना। जो लोक यह कहते

है कि बपतिस्मा पानी में डुबा कर ही दिया जाना जरूरी है तो वे नहीं जानते है कि बपतिस्मा शब्द का कथा अर्थ है। इसका अर्थ पूरा डुबाया जाना नहीं है, परंतु पानी का उपयोग करना है। धोना या पानी का उपयोग करना, मरकुस 7 : 2-5 में, लूका 11 : 38 में और इब्रिनियों 9 : 10 में बपतिस्मा शब्द यहुदियों का धोने का अर्थ में उपयोग किया गया है। और जब हम पेन्तिकष्ट का दिन पवित्र आत्मा का बपतिस्मा के बारे में देखते है तो, पवित्र आत्मा उनका उपर उन्डला गया था। मत्ती 3 : 11, प्रेरितों का काम 2 : 15-17, परमेश्वर का वचन हमें अनुमति देता है कि हम अलग अलग तरीका से पानी का उपयोग कर सकते है। परमेश्वरका वचन बपतिस्मा के बारे में जो शिक्षा है हम भी वही शिक्षा देना आवश्यक है। वचन के साथ न तो कुछ जोडें न कुछ हटाएँ। पानी का छिड़काया जाना तरीका का उपयोग जब करते है तब हमें यह याद करना है कि कैसे महा याजक हमारे पाप के लिए महापवित्र स्थान में लहु को छिड़काता है। इब्रानीयों कि पत्री में हम पढ़ सकते है। **"तो आओ, हम सच्चे मन और पूर्ण विश्वास के साथ, और विवेक का दोष दूर करने के लिए हृदय पर छिड़काव लेकर, और देह को शुद्ध जल से धुलवाकर, परमेश्वर के समीप आएँ।"**

– इब्रानियों 10 : 22

"तब मैं तुम पर शुद्ध जल छिड़कूंगा और तुम शुद्ध हो जाओगे; मैं तुम्हें तुम्हारी सारी अशुद्धता और मुर्तियों से शुद्ध करूँगा। और फिर मैं तुम्हें एक नया हृदय दूँगा और तुम्हारे भीतर एक नई आत्मा उत्पन्न करूँगा और तुम्हारी देह में से पत्थर का हृदय निकालकर तुम्हें मांस का हृदय दूँगा।"

– यहेजकेल 36 : 25-26

दूसरा तारीका है पानी को ऊपर ड़ालना जैसे पवित्र आत्मा पेन्टिकण्ट का दिन में चेलो का ऊपर आया था। पानी और वचन के माधमर्सू पवित्र आत्मा आता है। **"आशा से लज्जा नहीं होती, क्योंकि पवित्र आत्मा जो हमें दिया गया है, उसके द्वारा परमेश्वर का प्रेम हमारे हृदयों में उंडेला गया है।"**

– रोमियों 5 : 5

तीसरा तरीका; पानी में डुबाया जाना; हमारे काटटिजम में हम इस तरीका को दर्शाया है। पानी में बपतिस्मा लेना किस विषय को दर्शाता है? पानी का बपतिस्मा यह दर्शाता है कि हमारे अन्तर जो पापी आदम अर्थात पाप का श्वभाव है उसे पश्चताप के द्वारा पानी में डुबा कर मारा डाला जाता है। सब पाप और सारीरिक अभीलाषाओंको प्रति दिन के पश्चताप के द्वारा मारा डाल दिया जाता है। और एक नया आत्मिक पुरुष उठकर आ जाता है वह प्रतिदिन परमेश्वर समुख धार्मिकता और पवित्रता के साथ जीएगा।

बपतिस्मा किस तरीका से लेना यह बात मुख्य नहीं है; मुख्य वात यह है कि बपतिस्मा लेना है। **"जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले वह उद्धार पाएगा, परन्तु जो विश्वास न करे वह दोषी ठहराया जाएगा।"**

– मरकुस 16 : 16

जब तक आप पेड़ पे पानी नहीं डालेंगो तब पेड़ मर जाएगा। हम निश्चित रूप में जीवन का आत्मिक जल जो परमेश्वर का वचन है उसमें बने रहे। **"परन्तु जो कोई उस जल में से पीएगा जो मैं उसे दूँगा, अनन्तकाल तक प्यासा न होगा, परन्तु वह जल जो मैं उसे दूँगा उसमें अनन्त जीवन के लिए उमण्डने वाला जल का सोता बन जाएगा।"**

– यूहन्ना 4 : 14

सारांस या मुख्यवात

बपतिस्मा परमेश्वर का काम है जो अपनी सामर्थी वचन के द्वारा पापी मनुष्य को बचाने के लिए उसका दिल में विश्वास का उपत्र कर वाता है। परन्तु बपतिस्मा के वाद वचन में वने रहना वहत ज़रूरी है, नहीं तो कुछ फाइदा नहीं। वचन में स्थिर नहीं रहने के द्वारा बपतिस्मा में पाया हुआ पाप क्षमा तथा अनन्त जीवन फिर से खोने की सम्भावना है। बपतिस्मा के वाद वचन में बने नहीं रहना मरुस्थल या मरुभूमि में लगया गया। पेड़ के समान है।

समस महिमा केवल परमेश्वर को ही मिले जो सारे सृष्टि का मालिक है जो आदर और महिमा कि योग्य है। "आमीन"।